



भारत का अज्ञापन The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY.

भाग II--खंड 3--उप-खंड (I)
PART II--Section 3--Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 377]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 5, 1990/बाद्र 14, 1912

No. 377]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 5, 1990/BHADRA 14, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जानी है कि यह अलग संकलन के हृष्ट में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1990

ग. 33/90-केन्द्रीय गवाह शुल्क (एम डी.)

सा. का. नि. 757(भ) .—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नियम, 1944 के नियम 1944 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त विविधों का
प्रयोग करते हुए, सभी उत्पाद शुल्क माल की (जिसे इस प्रधिसूचना में इसके
पश्चात् "मध्यवर्ती माल" कहा गया है) ऐसे माल के रूप में पिनिएटिड
करती है, जिसका विनियमण के स्थान से हटाया जाता गया वस्तुओं के
(जिन्हें इस प्रधिसूचना में इसके पश्चात् "परिणामी वस्तुएँ" कहा गया है)
विनियमिताओं को प्रदाय के लिए शुल्क के संबाय के बिना नियमिति
वस्तुओं के अधीन रहते हुए मनुष्यात किया जाएगा, यथात् :—

(i) ऐसे मध्यवर्ती माल का विनियमिता ऐसे किसी विनियमाता को या
शुल्क छूट हक्कारी प्रमाणात्र और शुल्क छूट स्कोम (जिसे
इस प्रधिसूचना में इसके पश्चात् "प्रतिम नियमिताना" कहा
गया है) के अधीन किसी अधिक अनुशासि का धारा है, ऐसे

माल के प्रदाय के लिए कोई अधिक मध्यवर्ती अनुशासि धारण
करता है या उसने ऐसी अनुशासि की लिए अनुशासन प्राधिकारी
को प्राप्तिदान किया है और उसके लिए पावती अधिकारी कर-
ता है ;

(ii) मध्यवर्ती माल का परिणामी वस्तुओं के विनियम में उपयोग
के लिए हिसी प्रतिम नियमिताना को किसी प्रतिम निर्मिति
वादेंग के मध्ये प्रदाय किया जाता है ;

(iii) उत्पाद पृष्ठ के संबाय के बिना हटाए गए मध्यवर्ती माल की
मात्रा किसी प्रतिम नियमिताना को जारी किए गए शुल्क छूट
हक्कारी प्रमाणात्र के बाय न हो अवशिष्ट शुल्क छूट हक्कारी
में प्रधिक नहीं है;

(iv) मध्यवर्ती माल का प्रतिम नियमिताना द्वारा उग्योजन नियमित
को जाने वाले परिणामी वस्तुओं के विनियम के लिए या
समान विनियमों और तकनीकी प्रभिलक्षणों के शुल्क संबत
उत्पाद शालेय माल की पुनः पूति के रूप में उपयोग के लिए
लिया जाता है जिसका ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनियम में
उपयोग किया गया है जिसका किसी शुल्क छूट हक्कारी प्रमाण-

पत्र के अधीन नियंत्रणात्मकों के निवेदन में पहले ही नियंत्रण किया जा सकता है :

परन्तु शुल्क संबंध उत्पाद शुल्कमय माल की पुनः पूर्ति के लिए अनियंत्रण मध्यवर्ती माल का अपरिज्ञन अस्तित्व में नियंत्रकता के कारखाने में और उत्पादन के लिए किया जा सकेगा या उसका ऐसी रूपीत में व्यवहार किया जा सकेगा जो प्रभित्वमय नियंत्रकता के कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संबंधक कलक्टर की विधिविद्याओं और परिणामी वस्तुओं का बर्णन, ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनियोग की प्रक्रिया और ऐसी अन्य विधिविद्याओं जो उत्तर संबंधक कलक्टर द्वारा विनियिष्ट की जाएं ;

(v) अनियंत्रण नियंत्रकता कारखाने पर प्रधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संबंधक कलक्टर के पास कारखाने की विधिविद्याओं और भूमि रेखांक, प्रत्येक मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं का बर्णन, ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनियोग की प्रक्रिया और ऐसी अन्य विधिविद्याओं जो उत्तर संबंधक कलक्टर द्वारा विनियिष्ट की जाएं, देकर रजिस्टर करता है ;

(vi) अनियंत्रण नियंत्रकता कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संबंधक कलक्टर के साथ ऐसी प्रतिमूलि का जो उनके द्वारा विनियिष्ट की जाए, इस अधिसूचना से उपबंध प्रकृत में मध्यवर्ती माल पर उद्घटित उत्पाद शुल्क के बारावर रेकम का संदाय करने का बचनबंध करता हुए एक बंधवध नियावित करता है ;

(vii) अनियंत्रण नियंत्रकता हर बार जब वह मध्यवर्ती माल अभिप्राप्त करता जाता है, लियित रूप में कारखाने पर प्रधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय संबंधक कलक्टर को भावेद करता है और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अध्याय vii के उपबंध जहाँ तक वे एक भाण्डागार से अन्य भाण्डागार को उत्पाद शुल्क माल के संचलन से संबंधित है, अपने विनियोग, उत्पादन या भाण्डागार के स्थान से अनियंत्रण नियंत्रकता के कारखाने तक मध्यवर्ती माल के संचलन के लिए लागू होंगे ;

(viii) अनियंत्रण नियंत्रकता नमूना लेने की सुकर बनाने के लिए और उन्हें ऐसे परिक्षणों के अधीन करने के लिए जो कारखाने पर प्रधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संबंधक कलक्टर द्वारा निर्देशित किए जाएं, आधारक विवरण करता है ;

(ix) इस अधिसूचना के अधीन अभिप्राप्त मध्यवर्ती माल पर अनियंत्रण नियंत्रकता द्वारा की गई विनियोग प्रक्रिया से पैदा होने वाले किसी अपशिष्ट या उपत्यका की—

(क) शुल्क के संदाय पर निकासी की जाएगी, या

(ख) वह परिणामी वस्तुओं के विनियोग के लिए पुनः उपयोग के लिए अनुशासन किया जा सकेगा, या

(ग) यदि भौत उपयोग के लिए प्रनुपृक्त पाया जाता है तो उसे संबंधक कलक्टर द्वारा विनियिष्ट प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन नष्ट कर दिया जाएगा ;

(क) अनियंत्रण नियंत्रकता शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र में विनियिष्ट प्रवधि के भीतर या वडाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो अनुशासन अधिकारी या समिति द्वारा अनुशासन किया जाए, परिणामी वस्तुओं का नियंत्रण करता है ;

(xi) मध्यवर्ती उत्पाद, अर्थात्, नाइलान फाइबर, नाइलान सूत, नाइलान फैब्रिक, पालियस्टर फाइबर, पालियस्टर सूत, पालियस्टर फैब्रिक, स्टैनलेस स्टील चार्टरें, स्टैनलेस पट्टियां, चुम्बकीय टेप, बहुमुख्य धातु बहुमुख्य धातु से ढकी हुई धातु और उनकी वस्तुओं

से वहे हुए वस्त्रियानी उत्पादों का नियंत्रण केवल नियंत्रित के द्वारा ही किया जा सकता है—

(क) काइला, मुम्बई, नवीनीका, कोल्हापुर, मध्याम, विशाखापट्टनम और कलकत्ता का कोई सम्बद्ध पत्रन, या

(ख) मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास और बंगलूर का कोई नायु पत्रन, या

(ग) दिल्ली और पंगलूर का कोई वातारिक कफ्टेसर लिपों;

(xii) अनियंत्रण नियंत्रकता शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र के भाग ध, इ, व और छ के गोदान विनियिष्ट प्रोफेसरी में मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं और उनके नियंत्रण का लेखा रखता है;

(xiii) अनियंत्रण नियंत्रकता गांव (x) में विनियिष्ट प्रवधि की समाप्ति के लीस दिन के भीतर, पोत परिवहन पत्रों, वहन पत्रों और शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र का प्रमाणित प्रतियों के साथ परिणामी वस्तुओं के नियंत्रण को उपरियोग करने वाले प्रोफेसरी के भाग व में सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा की गई समूचित प्रविष्टियों सहित शर्त (xii) में विनियिष्ट प्रोफेसरी में रखे गए लेखाओं का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेगा :

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोगन की लिए—

(क) अधिम अनुज्ञाप्ति, “अधिम मध्यवर्ती अनुमति” और “शुल्क छूट स्टीम” के वही शब्द होंगे जो उनके समय-समय पर यथा-संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य भवालाय की लीक सूचना सं० १-शाहीसी (पीएन) /१०-१३ तारीख ३० मार्च, १९९० द्वारा यथा प्रकाशित यातात-नियंत्रण नीति अप्रैल-१९९० मार्च, १९९३ वाल्प्रूप १ के अध्याय XI में संगतुरेगित है ।

(ख) “संगित” से केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य भवालाय के मुख्य भावात-नियंत्रण नियंत्रक के कार्यालय जी दस्तावेद प्रवृत्त कार्यालय जापन सं. ३/५४/७५-इंडीसी-तारीख ३ विसम्बर, १९७५ और परिवहन सं. ९/३०-८५ इंडीसी, तारीख २८ जून, १९८५ के अधीन गठित तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्गठित अधिकारी भावात-नियंत्रण प्रभित्रै है ।

(ग) “शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र” और “शुल्क नियंत्रित आवेदन” के वही शब्द होंगे जो उनके समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य भवालाय की लीक सूचना सं. १-शाहीसी(पीएन) /१०-१३ तारीख ३०-३-१९९० द्वारा यथा-प्रकाशित प्रधिम हस्त पुस्तक के अध्याय १९ में अप्रैल, १९९० मार्च, १९९३ वाल्प्रूप १ में दिए गए हैं ।

(घ) “अनुशासन प्राधिकारी” से यातात और नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १८) के अधीन का भी यातात (नियंत्रण) प्राधिकारी या समिति द्वारा अनुशासन किए जाने वाला वायात वधिपत्र (प्राधिकारी के अधिकारी अधिकारी अधिकारी) है ।

[फ. सं. ०२०९/५७/८९-के, उ.अ.-६]
एच. के. मित्तल, प्रबन्ध सचिव

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, १९४४ के नियम १९१ अनुच्छेद
प्रधीन असंदर्भ उत्पाद-शुल्कमय माल के वस्तुओं के विनियोग-
तातीय द्वारा किए जाने वाला वायात वधिपत्र (प्राधिकारी के भाग)
(जी प्रधार और शब्द लागू न हो उन्हें काट दें)

म/हम जी
नियासी हूँ / है जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् वायात-वधिपत्राधारी कहा

है, भारत के राष्ट्रपति के प्रति (जिन्हें इसके पश्चात् यत्कार कहा गया है) उक्त शरण का सरकार की संवाद करने के लिए संयुक्त: और पृथक्तः आवश्यक हैं/हैं और यह सदाय संयुक्तः और पृथक्तः करने के लिए मैं/इस अपने को अपने वित्तीय प्रतिमिथियों को प्राप्त करना हूँ/करने हैं।

उक्त बाबू बाध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर (स्थान) को भारत से बाहर नियंत्रित के लिए निम्न-वित्तीय वस्तुओं का विनियोग करने और उक्त वस्तुओं के विनियोग के लिए ऐसे प्रत्येक माल के सामने दी गई मात्रा में, जैसी कि बाध्यताधारी द्वारा अनुमति हो दिन्हु जो इस में इसके नीचे विनियिष्ट बोमा से अधिक नहीं होगी, समय-समय पर उत्पाद शुल्क माल, यात्रियों, उत्पादन या विनियोग या भंडारण के स्थान से शुल्क का संबंध किए बिना ग्राह करने के लिए आवेदन किया है और उनकी अनुमा एजिस्ट्रीकरण शरण प्राप्त हो गई है।

वस्तुओं का वर्णन

विनियोग के लिए अनुमति उत्पाद शुल्क माल मात्रा का वर्णन जो निम्नवित्तीय संभासा से अधिक नहीं।

और सहायक कलक्टर ने बाध्यताधारी से इस विधिपत्र की रकम के लिए प्रतिमूलि के स्थान में उक्त शरण के लिए वित्तीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के पक्ष में पूछाया है—

और बाध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर को यह प्रतिमूलि नकद। प्रतिमूलि का निषेचन करके दे दी है;

अब, इस विधिपत्र की शर्त यह है कि उक्त बाध्यताधारी इसके अधीन जीवी की गई अधिसूचना के साथ परिवर्तन नहीं करता है या उक्त उत्पाद शुल्क माल का उपयोग सहायक कलक्टर के पूर्व शरणदेवन के बिना अपने आवेदन में कथित से भिन्न क्रियान्वयन के लिए महीन करता है;

और यदि बाध्यताधारी अपने आवेदन में विनियिष्ट विनियोग की प्रक्रिया या रीति में परिवर्तन नहीं करता है या उक्त उत्पाद शुल्क माल का उपयोग सहायक कलक्टर के पूर्व शरणदेवन के बिना अपने आवेदन में कथित से भिन्न क्रियान्वयन के लिए महीन करता है;

और यदि बाध्यताधारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 और समय-समय पर उसके अधीन जारी किए गए सभी संशोधनों के उल्लंघन का, जहाँ तक उनका संबंध ऐसी वस्तुओं के विनियोग में शुल्क का संबंध किए बिना उत्पाद-शुल्क माल के उपयोग और नियंत्रित के लिए ऐसी वस्तुओं को इटाने से है पालन करता है; और यदि सभी शोधों का, जहाँ उत्पाद-शुल्क हो या अन्य विधियों प्रभाव हों जो उक्त वस्तुओं और माल पर मांगे जा सकते हों जैसा कि उपग्रह अधिकारी के अधिकारों में वर्णित हो, का संबंध सम्बन्ध रूप से उक्त अधिकारी द्वारा उसके लिए विधित भाग किए जाने की सारीब से यस विन के भीतर कलक्टर/सहायक कलक्टर के लेखा में खाजाने में सम्बन्धित जगह कर दिया जाता है;

तो यह बाध्यता शूल्क ही जाएगी।

अत्यधिक और इस शर्त के इसी भाग के अनुपालन में भाग या असफलता की अज्ञा में यह पूर्णतः प्रवृत्त रहेगा और सरकार, अपने विकल्प पर, सभी नुस्खानी और हानि को प्रतिमूलि निषेचन की रकम से या उपर लिखित विधिपत्र के अधीन अपने अधिकारों को प्रवृत्त करके या दोनों द्वारा पूरा करने के लिए सभी हींगी।

मैं/हमें घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह विधिपत्र, केन्द्रीय सरकार के अधीन के अधीन ऐसे कार्य का विषयान करने के लिए दिया जा रहा है जिसमें जनता हितवद्धु है।

स्थान :

दिल्ली

बाध्यताधारी

(बाध्यताधारीयों
के द्वारा)

मात्री (2)

पता (2)

पिता (1)

उपजीविता (2)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (भारत के राष्ट्रपति के लिए भी उनकी ओर से) द्वारा द्वारीकार किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 1990

NO. 33/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 191BB of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby specifies all excisable goods (hereafter in this notification referred to as the “intermediate goods”) as goods whose removal from the place of manufacture shall be permitted without payment of duty for supply to manufacturers of all articles (hereafter in this notification referred to as the “resultant articles”) subject to the following conditions, namely :—

- (i) the manufacturer of such intermediate goods holds an Advance Intermediate Licence or has applied for such licence to the Licensing Authority and has obtained an acknowledgement for the same, for supply of such goods to a manufacturer who is an holder of a Duty Exemption Entitlement Certificate and an Advance Licence under the Duty Exemption Scheme (hereafter in this notification referred to as the “ultimate exporter”);
- (ii) the intermediate goods are supplied against an Advance Release Order to an ultimate exporter for use in the manufacture of resultant articles ;
- (iii) The quantity of intermediate goods removed without payment of duty of excise does not exceed the duty free entitlement indicated in part C of the Duty Exemption Entitlement Certificate issued to an ultimate exporter ;
- (iv) the intermediate goods are utilised by the ultimate exporter for manufacture of resultant articles to be exported or for use as replenishment of duty paid excisable goods of identical specifications and technical characteristics which have been used in the manufacture of resultant articles already exported in discharge of export obligations under a Duty Exemption Entitlement Certificate ;

Provided that the intermediate goods obtained for replenishment of duty paid excisable goods may be utilised for further production in the factory of the ultimate exporter or may be disposed of in such manner as may

be specified by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of the ultimate exporter;

(v) the ultimate exporter registers himself with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory giving particulars and ground plan of the factory, description of each of the intermediate goods and resultant articles, the process of manufacture of such resultant articles, and such other particulars as may be specified by the said Assistant Collector;

(vi) the ultimate exporter enters into a bond with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory, with such security as may be specified by him, undertaking to pay an amount equivalent to the duty of excise leviable on intermediate goods, in the form annexed to this notification;

(vii) the ultimate exporter applies to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory in writing every time he desires to obtain intermediate goods and the provisions of Chapter VII of the Central Excise Rules, 1944, so far as they relate to the movement of excisable goods from one warehouse to another shall apply for movement of intermediate goods from the place of their manufacture, production or storage to the factory of the ultimate exporter;

(viii) the ultimate exporter makes necessary arrangements for facilitating drawal of samples and subjecting them to such tests as may be directed by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory;

(ix) any waste or bye-product arising from the process of manufacture undertaken by the ultimate exporter on the intermediate goods obtained under this notification shall—

- be cleared on payment of duty; or
- be allowed to be used again for manufacture of resultant articles; or
- if found unfit for further use, be destroyed under the supervision of an officer of Central Excise in accordance with the procedure specified by the Assistant Collector;

(x) the ultimate exporter exports the resultant articles within the period specified in the Duty Exemption Entitlement Certificate or within such extended period as may be permitted by the Licensing Authority or the Committee;

(xi) the export of resultant products made out of intermediate products, namely, nylon fibre, nylon yarn, nylon fabrics, polyester

fibre, polyester yarn, polyester fabrics, stainless steel sheets, stainless steel strips, magnetic tapes, precious metals, metals clad with precious metals and articles thereto, be made only through—

- any of the sea ports at Kandla, Bombay, Nhava Sheva, Cochin, Madras, Visakhapatnam and Calcutta; or
- any of the airports at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras and Bangalore; or
- any of the internal container depots at Delhi and Bangalore;

(xii) the ultimate exporter maintains account of the intermediate goods and the resultant articles and exports thereof in the proforma specified under parts D, E, F and G of the Duty Exemption Entitlement Certificate;

(xiii) the ultimate exporter submits within thirty days of the expiry of the period specified in condition (x), a detailed summary of the accounts maintained in the proforma specified in condition (xii), along with attested copies of the shipping bills, bills of lading and the Duty Exemption Entitlement Certificate with appropriate entries made by the officers of Customs in part F of the proforma indicating the export of the resultant articles.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- "Advance Licence", "Advance Intermediate Licence", and "Duty Exemption Scheme" have the same meanings assigned to them in Chapter XIX of Import-Export Policy, April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN) 90—93 dated the 30th March, 1990, as amended from time to time.
- "Committee" means the Inter-Departmental Committee as constituted by the Central Government under the Office Memorandum of the Government of India in the Ministry of Commerce, Office of the Chief Controller of Imports and Exports No. 3|54|75-EPC, dated the 3rd December, 1975 and the Circular No. 9|30|85-EPC, dated the 28th June, 1985, and 168-ITC(PN)|88—91 dated 29-9-89, (F. No. 9|191|86-EPC), for the time being in force, or as reconstituted by the Central Government from time to time.
- "Duty Exemption Entitlement Certificate" and "Advance Release Order" shall have the same meanings as assigned to them in Chapter XIX of the Handbook of Procedures April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice

of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-LTC(PN)90-93 dated 30-3-1990 as amended from time to time.

(d) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under the Imports (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 209/57/86-CX6]

H. K. MITTAL, Under Secy.

BOND (WITH SECURITY) TO BE ENTERED INTO BY THE MANUFACTURER OF ARTICLES FROM NON-DUTY-PAID EXCISABLE GOODS UNDER RULE 191-BB OF THE CENTRAL EXCISE RULES, 1944.

(Delete the letters and words not applicable)

I/We of hereinafter called the obligor(s) am/are jointly and severally bound to the President of India (hereinafter referred to as the Government) in the sum of rupees to be paid to the Government for which payment I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our legal representatives.

Whereas the above bounden obligors have applied to the Assistant Collector of Central Excise at for, and obtained his permission vide Registration Certificate No. dated to manufacture the following articles, for export outside India, and to receive from time to time, for the manufacture of the said articles, the excisable goods indicated against each such articles in quantities as may be required by the obligor(s) but not exceeding the limits specified hereunder, without payment of duty from the place of the production or manufacture or storage as the case may be.

Description of the articles

Excisable goods required for manufacture.

Description Quantity not exceeding the following limits.

And whereas the Assistant Collector has required the obligor(s) to deposit as guarantee for the amount of this bond,

the sum of Rupees in cash

The securities as hereinafter mentioned of a total face value of rupees endorsed in favour of the Assistant Collector of Central Excise namely :—

And whereas the obligor(s) has/have furnished such guarantee by depositing with the Assistant Collector of Central Excise the Cash/securities as aforementioned ;

Now the condition of this bond is that if the said obligor(s) shall undertake manufacture and export of articles as per provision of Rule 191-BB read with notification issued thereunder to the satisfaction of the Assistant Collector.

And, if the obligor(s) shall not make any change in the nature or manner of manufacture specified in his/their application or use the said excisable goods for any purpose other than that stated in the application without prior approval of the Assistant Collector ;

And if he obligor(s) shall observe all the provisions of the Central Excise Rules, 1944 and all amendments therein issued from time to time, so far as they relate to the use of excisable goods without payment of duty in the manufacture of such articles and for removal of such articles for export; and if all dues, whether excise duty, or other lawful charges which shall be demandable on the said articles and goods as shown by records of the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector/Assistant Collector within 10 days of the date of demand thereof being made in writing by the said officer.

This obligation shall be void.

Otherwise and on breach or failure in the performance of any part of this condition the same shall be in full force. AND the Government shall, at its option, be competent to make good all the loss and damages either from the amount of the guarantee deposit or by enforcing its rights under the above written bond or by both.

I/We declare that this bond is given under the orders of the Central Government for the performance of an act in which the public are interested.

Place :

Date :

Witness (1) Address (1)

Witness (2) Address (2)

Signature(s) of obligor(s)

Occupation (1)

Occupation (2)

Accepted by this day of 19 of Central Excise (for and on behalf of the President of India).

